झारखण्ड JHARKHAND

671426

वंशावली

स्व० रामदेव साव पिता स्व० रामप्रसाद साव

महेन्द्र प्रसाद | मिथलेश कुमार जायसवाल | अवधेश प्रसाद | राजेश प्रसाद

बिक्रेता

विदित हो कि उपर दर्ज सम्पति बिक्रेता की हकियत रैयती मौरूषी अपने खास हिस्से की है। जिसपर बिक्रेता बादु मरने पिता के आपस के हिस्सेदारों में मौखिक बटवारा कर अपने हक हिस्से की जमीन पर कायम काबिज दाखिल हुए वो चले आ रहे हैं। जिसकी रसीद मांग पंजी के पेज नं० २८/२ में बिक्रेता के पिता स्व० रामदेव साव का नाम दर्ज होकर कटती चली आ रही है। जो हर तरह के वारदैन से पाक वो साफ बिना झंझट वो तकरार के हैं। जिसपर विक्रेता निर्विवाद कायम काबिज चले आ रहे हैं।

इस समय बिक्रेता को वास्ते करने शादी अपनी लड़की की, रूपये की अति आवश्यक्ता है। जो बिना बिक्री किये उक्त सम्पति को रूपये का इन्तजाम होना कठीन है।

अतः बिक्रेता उपर दर्ज सम्पति को बिक्री करने वास्ते एलान किया तथा ग्राहक तलाशा जिसे सुन वो जान कर वसीका हाजा के क्रेता वास्ते क्रेता बहैसियत सचिव वास्ते बनाने गोपिनाथ सिंह बी०एड० कॉलेज, खरीदने को तैयार हुई।

अतः बिक्रेता होश हवाश में रहते हुए उपर दर्ज सम्पति को क्रेता के साथ मुबलिग १,००,०००/- रूपया नगद चुकती पाकर बिक्री किया। तथा बेची गई जमीन पर क्रेता को आज ही के रोज़ से पुर्ण दखल कब्जा वो अधिकार सौंप दिया। अब उक्त बेची गई जमीन पर बिक्रेता व